पी.यू. में बनेगी डिजीटल रॉक आर्ट गैलरी

प्रोजैक्ट

पी.यू. प्रबंधन और आई.जी.एन.सी. ने बनाई है योजना, फिलहाल कैंपस में शुरू हुई रॉक आर्ट एग्जीबिशन

चंडीगढ़, 9 अगस्त (रश्मि हंस): पुरातन काल की जानकारी लोगों को ज्यादा से ज्यादा मिले इसके लिए पंजाब यूनिवर्सिटी में रॉकआर्ट गैलरी बनाई जाएगी। योजना को पी.यू. प्रबंधन और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र नई दिल्ली (आई.जी.एन.सी.ए.) की तरफ से अमलीजामा पहनाया जाएगा। यह डिजीटल रॉक गैलरी होगी जिसमें प्रोजैक्टर आदि लगेगे।

एग्जीबिशन में लगाई गई एक कलाकृति। (परमजीत)

यह जानकारी केंद्र के निदेशक डा. बी.एल. मल्ला ने दी। डा. मल्ला मंगलवार को पी.यू. में रॉक आर्ट एग्जीबिशन के सिलसिले में चंडीगढ़ आए थे। एग्जिबीशन पी.यू. के एनसिएंट इंडियन हिस्ट्री, कल्चर एंड आर्कीलॉजी विभाग की तरफ से एवं आई.जी.एन.सी.ए. के सहयोग से लगाई गई है। डा. मल्ला ने कहा कि रॉक आर्टस्टडी क्षेत्र में आर्कीलॉजिकल सोर्स है जिससे मानव क्रांति की जानकारी मिल सकती है। डा. मल्ला ने बताया कि आई.जी.एन.सी.ए. का एककेंद्र जम्मू में जल्द खोला जाएगा।

हजारों साल पुरानी है रॉक आर्ट : डा. मल्ला ने बताया कि शैवेट फ्रांस की एक साइट है, जिसके तहत ऐसी रॉक आर्ट है जो 35 हजार साल पुरानी है।

देश और दुनिया भर से एकत्रित की है कलैक्शन: पी.यू. में द वर्ल्ड ऑफ रॉक आर्ट प्रदर्शनी 10 सितम्बर तक चलेगी। इसमें पूर्व, पश्चिम, उत्तर दक्षिण और भारत के केंद्र में स्थित राज्यों की रॉकआर्ट की फोटो ग्राफ और कुछ पत्थरों को रखा गया है। इसके अलावा अंतर्राष्ट्रीय स्तर की फोटोग्राफी को भी इसमें रखा गया है। प्रदर्शनी में स्कूली बच्चों के लिए वर्कशॉप भी लगाई जाएगी।

आज होगा उद्घाटन: इस एग्जीबिशन का उद्घाटन आज हायर एजुकेशन हरियाणा के चीफ सैक्रेटरी विजयी वरधान करेंगे। वहीं पंजाब की शिवालिक रेंज की प्री हिस्ट्री पर लैक्चर का आयोजन भी किया जाएगा। प्रदर्शनी में आस्ट्रेलिया, फ्रांस, राजस्थान, लद्दाख, तमिलनाडु, हिमाचलप्रदेश व उत्तर प्रदेश आदि से कलैक्शन शामिल की गई है।